

बीएचयू के रेक्टर को हस्तांतरित हो सकता है कुलपति का कार्यभार II

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन का विदाई समारोह सोमवार की शाम होगा। इसकी तैयारी की जा रही है। वह मंगलवार को कैम्पस से चले जाएंगे। अकादमिक परिषद की बैठक में वे घोषित कर चुके हैं कि यह बैठक उनकी आखिरी थी। हालांकि वे अपना कार्यभार किसे हस्तांतरित करेंगे, यह बड़ा सवाल है लेकिन विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुसार रेक्टर को कुलपति का अतिरिक्त प्रभार दिया जा सकता है।

प्रशासनिक व्यवस्था रेक्टर ही देखते रहे हैं, लेकिन पहले रेक्टर के साथ स्थायी रूप से चांसलर और वित्त अधिकारी भी काम देखते थे, लेकिन वर्तमान समय में परिस्थितियां थोड़ी अलग हैं। अस्थायी रूप से पदों पर आसीन जिम्मेदारों के पास विवि की संपूर्ण व्यवस्था सौंपी गई है, इसलिए काम आसान नहीं होगा। फिलहाल नए कुलपति की नियुक्ति के लिए कोई नाम तय नहीं हो सका है। सर्च कमेटी की बैठक हो चुकी है, सिर्फ नाम घोषित होने का इंतजार है।

बीएचयू के प्रो. राजू बने बांदा कृषि विवि के वीसी

उपलब्धि

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसवीएस राजू को बांदा स्थित कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. राजू कीट विज्ञान के क्षेत्र के वैश्विक विशेषज्ञों में गिने जाते हैं। कृषि विज्ञान संस्थान के कीट एवं कृषि जंतु विज्ञान विभाग में आचार्य हैं और वर्ष 1991 से बीएचयू में कार्यरत हैं।

प्रो. एसवीएस राजू कीट विज्ञान और कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। इसके अलावा वह कई राष्ट्रीय संस्थाओं के सदस्य और सलाहकार भी हैं। वर्तमान में कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक के साथ ही विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष के साथ डॉ. एसआरके छात्रावास और अंतरराष्ट्रीय छात्रावास कॉम्प्लेक्स के एडमिन वार्डन का कार्यभार भी संभाल रहे हैं। वह विभिन्न शैक्षणिक व प्रशासनिक पदों के साथ ही शिक्षण व अनुसंधान में सक्रिय योगदान



प्रो. एसवीएस राजू।

- कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक हैं प्रो. राजू
- कीट विज्ञान के वैश्विक विद्वानों में हैं शुमार

देते रहे हैं। वर्ष-1990 में बीएचयू से पीएचडी पूरी करने के बाद वह 1991 से शिक्षण कार्य में लग गए। 2008 से आचार्य के पद पर कार्यरत प्रो. राजू ने महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश से कृषि में स्नातक और परास्नातक की उपाधि अर्जित की है। प्रो. राजू के मार्गदर्शन में दो दर्जन शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हो चुकी है। वह अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के प्रवेश के समन्वयन की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। उन्हें अगस्त-2023 में कृषि विज्ञान संस्थान का निदेशक नियुक्त किया गया था।

कृषि विवि के कुलपति बने प्रो. एसवीएस राजू

वाराणसी। बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसवीएस राजू को कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा का कुलपति बनाया गया है। 4 जनवरी को राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की ओर से राजभवन में आदेश जारी हुआ। कार्यभार ग्रहण कर अगले तीन साल तक कुलपति बने रहेंगे। कृषि विज्ञान संस्थान में कीट एवं कृषि जंतु विज्ञान विभाग में प्रोफेसर हैं। महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश से कृषि में स्नातक और परास्नातक की उपाधि ली है। ब्यूरो

कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि बांदा के कुलपति बने प्रो. एसवीएस राजू

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. एसवीएस राजू को कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. राजू कृषि विज्ञान संस्थान के कीट एवं कृषि



जंतु विज्ञान विभाग में आचार्य हैं। वर्ष 1991 से बीएचयू में कार्यरत हैं। वे विभिन्न शैक्षणिक व प्रशासनिक पदों पर रहने के साथ शिक्षण व अनुसंधान में सक्रिय

प्रो. राजू ने महाराष्ट्र व हिमाचल से कृषि में स्नातक व परास्नातक की उपाधि अर्जित की है। वर्ष 1990 में पीएचडी की उपाधि हासिल की। उनके निर्देशन में दो दर्जन शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि मिली। वह अंतरराष्ट्रीय छात्रावास परिसर और डा. एसआरके छात्रावास के मुख्य संरक्षक हैं। वे अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के प्रवेश के समन्वयन की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं।

दृष्टिबाधित छात्रों ने कविता के माध्यम से बयां की पीड़ा⁷

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। विश्व ब्रेल दिवस पर शनिवार को बीएचयू में दृष्टिबाधित छात्रों ने हिंदी विभाग में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और काव्यपाठ किया। हिंदी विभाग के शोधछात्र राहुल कुमार के संयोजन में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों ने अपनी पीड़ा भी साझा की। छात्रों ने बताया कि आयोजन के लिए उन्हें बीएचयू प्रशासन से कोई सहयोग नहीं मिलता।

कार्यक्रम की शुरुआत के बाद अंजू शर्मा, सविता और उनकी टीम द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार के उद्बोधन के बाद राम आशीष विश्वकर्मा, अनिल साहनी और इंद्रजीत साकेत, नीलू कुमारी ने प्रस्तुतियां कीं। कार्यक्रम में कला संकाय प्रमुख प्रो. मायाशंकर पांडेय, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप, कला संकाय के छात्र सलाहकार डॉ. बिनायक दुबे और विभाग के प्राचार्य प्रो. कृष्ण मोहन सिंह, डॉ. सचिन कुमार तिवारी ने भी विचार व्यक्त किए।

अंध विद्यालय में मनाई जयंती :
ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुइस ब्रेल

ब्रेल मेन्यू से नेत्रहीनों ने मंगाया भोजन

वाराणसी। होटल फॉर एलिमेंट की ओर से नेत्रहीन बच्चों को नए साल पर लंच कराया गया। यहां नेत्रहीन बच्चों ने ब्रेल मेन्यू से भोजन मंगाया। होटल के एमडी लोकेन्द्र करवा ने सभी को धन्यवाद दिया। एमडी राखी करवा, जीएम अमृत सिंह दांगी, शेफ आफताब, अनिल कुमार पांडेय, पंकज सिंह, निखिलेश लढ़ा, सरबजीत, किरण, नेहा, विनोद, रिकू, कन्हैया आदि मौजूद थे।

की जयंती शनिवार को मनाई गई। इस अवसर पर दुर्गाकुंड स्थित श्रीहनुमान प्रसाद पोद्दार अंध विद्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। अहमदाबाद की किनरी देसाई ने बच्चों को लुई ब्रेल के बारे में बताया। मुख्य अतिथि बीएचयू की डॉ. सरोजिनी महापात्र रहीं। विशिष्ट अतिथि महानगर उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा, महामंत्री अशोक जायसवाल एवं अंध विद्यालय कमेटी के अनुज डिडवानिया रहे।

विश्व ब्रेल दिवस पर दृष्टिबाधित छात्रों ने खुद खरीदकर बंटवाए 22 सर्टिफिकेट

बीएचयू के छात्रों ने किया नाटक का मंचन, नेत्रहीन छात्रों ने खोल दी अधिकारियों की आंखें, छात्र बोले- दो महीने तक पत्राचार किया, लेकिन कार्यक्रम को लेकर नहीं दिखी उत्सुकता

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू के दृष्टिहीन छात्रों ने विश्व ब्रेल दिवस पर नाटक का मंचन कर बड़े-बड़े अधिकारियों की आंखें खोल दी। कला संकाय के राधा कृष्णन सभागार में 100 से ज्यादा दृष्टिबाधित छात्र और छात्राओं ने म्यूजिकल नाटक की प्रस्तुति देने के बाद उन्होंने अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा कि खुद के पैसों से सर्टिफिकेट खरीदकर 22 नेत्रहीन कलाकर विद्यार्थियों में

बांटना पड़ा। मंच के माइक और साउंड से लेकर आमंत्रण पत्र बनवाने में भी विष्वविद्यालय से मदद नहीं मिली। केवल सभागार पुस्त में मिला। छात्रों ने कहा कि बीएचयू के आला अधिकारियों को इस कार्यक्रम को मनाने के लिए दो महीने तक पत्राचार किए, लेकिन इस कार्यक्रम को लेकर कोई उत्सुकता नहीं दिखाई दी। कला संकाय के दो रिसर्च स्कॉलर्स ने अपने फेलोशिप के पैसों को मिलाकर पूरा कार्यक्रम कराया। इससे पहले



श्री हनुमान प्रयाद पौदुवार अंध विद्यालय दुर्गकुंड में लुस ब्रेल की जयंती मनाई गई। अहमदाबाद से पथारी किन्नी देसाई ने बच्चों को लुई ब्रेल के बारे में बताया एवं दृष्टि दिव्यांग छात्रों ने सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सरोजिनी महापात्र, उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा, महामंत्री अशोक जायसवाल उपस्थित रहे।

एक होटल में नेत्रहीन बच्चों को पिपट देती एम्डी राखी करवा।

नेत्रहीन बच्चों को कराया रेस्तरां और होटल में भोजन वाराणसी। विश्व ब्रेल दिवस पर शनिवार को मनाया गया। नेत्रहीन बच्चों को होटल में भोजन कराया गया। ककरसता स्थित एक होटल में भी नेत्रहीन बच्चों को भोजन कराया गया। ब्रेल मेन्यू लांच किए जाने से बच्चे अपने पसंद के व्यंजनों को चुनकर खाए लिये। धन्यवाद ज्ञापन होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर लोकेन्द्र कर्वा ने दिया। बुरो

अंध विद्यालय में मनाई ब्रेल जयंती

श्री हनुमान प्रयाद पौदुवार अंध विद्यालय दुर्गकुंड में लुस ब्रेल की जयंती मनाई गई। अहमदाबाद से पथारी किन्नी देसाई ने बच्चों को लुई ब्रेल के बारे में बताया एवं दृष्टि दिव्यांग छात्रों ने सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि सरोजिनी महापात्र, उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा, महामंत्री अशोक जायसवाल उपस्थित रहे।

बीएचयू की यूजी-पीजी परीक्षा में परीक्षक को आवंटित नहीं होंगे एक से अधिक पेपर

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय में परीक्षा सुधार समिति ने अपनी सिफारिशें अगले सत्र से प्रभावी करने की बात कही है। प्रशासन को सौंपी रिपोर्ट में कहा है कि अब सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए प्रश्न पत्रों का संचालन (माडरेशन) बोर्ड करेगा। इसके अलावा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय के संकायों और कालेजों के शिक्षकों को आंतरिक परीक्षक नियुक्त किया जाएगा। स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सामान्यतः किसी भी परीक्षक को एक से अधिक पेपर आवंटित नहीं किए जाएंगे।

स्नातकोत्तर परीक्षा (पूर्ववर्ती एवं अंतिम) में किसी भी परीक्षक को दो से अधिक पेपर आवंटित नहीं किए जाएंगे, इसमें एक पूर्ववर्ती और एक अंतिम होगा। स्नातकोत्तर परीक्षाओं में एक परीक्षक को आवंटित उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 150 से अधिक नहीं होगी, जबकि स्नातक परीक्षाओं के लिए 250 से अधिक उत्तर पुस्तिकाएं नहीं दी जाएंगी। प्रत्येक आंतरिक परीक्षक का पारिश्रमिक बाह्य परीक्षक के समान रहेगा। मुख्य प्राक्टर की तरफ से परीक्षा की अवधि के दौरान परीक्षा केंद्र में रहने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षक-प्राक्टरों को प्रति पाली 15 रुपये की दर से पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। प्रति शिफ्ट अधीक्षक व फ्लाइंग स्क्वाड सदस्य को 15-15 रुपये जबकि अन्य

• एक परीक्षक को आवंटित होंगी 150 से 250 उत्तर पुस्तिकाएं

• कुल अंकों का अधिकतम 0.5% अनुग्रह अंक के रूप में मिलेगा

आइएमएस के व्यावसायिक कोर्स के लिए मिलेगा संयुक्त अंक

चिकित्सा विज्ञान संस्थान में व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक कोर्स के लिए संयुक्त अंक पत्र प्रदान किया जाएगा। पूरक या द्वितीय परीक्षा के लिए अलग से अनुग्रह अंक नहीं दिए जाएंगे। उन परीक्षाओं के लिए कोई ग्रेस अंक नहीं दिए जाएंगे, जिनमें अभ्यर्थी को एक या अधिक पेपर में अनुत्तीर्ण होने पर भी प्रोन्नत किया जा सकता है। किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा-शुरू होने के आधा घंटे बाद परीक्षा हाल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा प्रारंभ होने के 45 मिनट बाद तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।



सदस्यों को 10 रुपये का भुगतान किया जाएगा। अवकाश में भी इयूटी करते हैं तो उन्हें 15 रुपये मिलेंगे। विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम का सारणीकरण कार्य कुलसचिव कार्यालय में होगा। सारणीबद्ध परिणामों की जांच के लिए परीक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। परिणाम की घोषणा के लिए निर्धारित तिथि से तीन दिन पहले रजिस्ट्रार के कार्यालय में की जाएगी। किसी परीक्षा (वार्षिक व सेमेस्टर) के कुल अंकों (प्रेक्टिकल और सत्रीय अंकों सहित) का अधिकतम 0.5 प्रतिशत अनुग्रह अंक के रूप में प्रदान किया जाएगा, इसे परीक्षा की अंक तालिका में सम्मिलित अधिकतम तीन मदों में वितरित किया जा सकता है। चिकित्सा विज्ञान संस्थान में प्रत्येक व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए संयुक्त अंक पत्र प्रदान किया जाएगा।

एक छात्र को पूर्ण यानी 100 प्रतिशत उपस्थिति की आवश्यकता होती है और विशिष्ट कारणों से 30 प्रतिशत तक की छूट पर विचार किया जा सकता है। इस 30 प्रतिशत में से, छात्र से कोई आवेदन लिए बिना केवल 10 प्रतिशत छूट की अनुमति दी जाएगी। शेष 20 प्रतिशत छूट संकाय, विभाग व कालेज के डीन, प्रमुख व प्राचार्य द्वारा दी जा सकती है। न्यूनतम उपस्थिति प्रतिशत तभी माना जाएगा, जब उपरोक्त के अलावा उसने प्रत्येक विषय में कम से कम 50 प्रतिशत कक्षाओं में भी भाग लिया हो। जो छात्र मध्य सेमेस्टर परीक्षा में शामिल नहीं हो पाते हैं, उन्हें अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के संबंधित पेपर में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। ऐसे छात्रों को शिक्षक द्वारा मध्यावधि अंकों के लिए पोर्टल पर 'ए' मार्क किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में सात स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किसी ने रुचि नहीं दिखाई

मराठी, नेपाली, प्राचीन न्याय में एक छात्र नहीं

बीएचयू

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू में एमए मराठी, नेपाली, प्राचीन न्याय और मीमांसा सहित विशेषज्ञता वाले अन्य पाठ्यक्रमों को छात्र ही नहीं मिल रहे। पिछले पांच साल से ज्यादा समय से इन पाठ्यक्रमों में छात्रों का टोटा है। इसे ध्यान में रखते हुए इन पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या घटा दी गई है। शुक्रवार को हुई एकेडेमिक काउंसिल की बैठक ने केंद्रीय प्रवेश समिति के इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। पाठ्यक्रमों में सबसे कम तीन और सबसे ज्यादा 65 सीटों की कटौती की गई है।

विद्वत् परिषद की पिछली कई बैठकों में चुनिंदा पीजी पाठ्यक्रमों की सीटें कम करने पर चर्चा चली थी। परिषद ने केंद्रीय प्रवेश समिति को ऐसे पाठ्यक्रमों की रिपोर्ट बनाने और प्रस्ताव देने का जिम्मा दिया था। केंद्रीय प्रवेश समिति के

- एकेडेमिक काउंसिल की बैठक में बदलाव पर लगाई गई मुहर
- केंद्रीय प्रवेश कमेटी ने तीन से 65 सीटों तक की कटौती की
- 26 दिसंबर को हुई बैठक में प्रस्तुत की गई थी विस्तृत रिपोर्ट



अध्यक्ष प्रो. भास्कर भट्टाचार्य की अगुवाई में 35 ऐसे पाठ्यक्रमों की सूची तैयार की गई, जिनमें पिछले कई वर्षों से आवेदन और प्रवेश की संख्या बेहद कम है। 26 दिसंबर को हुई विद्वत् परिषद की बैठक में इन पाठ्यक्रमों में छात्रों की कमी पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जबकि शुक्रवार को हुई बैठक में इनकी सीटें कम करने पर सहमति बन गई। अगले सत्र में इन पाठ्यक्रमों में कम

सीटों पर प्रवेश लिये जाएंगे।

35 पीजी पाठ्यक्रमों में सात ऐसे हैं, जिनमें इस साल किसी भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया। इनमें पांच पाठ्यक्रम संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के हैं। इन सात के अलावा 25 पाठ्यक्रम ऐसे भी हैं जिनमें 50 फीसदी सीटें भी नहीं भरीं। पाठ्यक्रमों के संचालन में लगने वाले संसाधनों, मानव शक्ति और शिक्षकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विद्वत्

परिषद ने 32 पाठ्यक्रमों की सीटें कम करने का फैसला लिया। चार पाठ्यक्रमों में सीटें यथावत रहेंगी। प्रो. भट्टाचार्य ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में वर्षों से सीटें खाली रह जा रही थीं। बीएचयू के संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल और ज्यादा से ज्यादा छात्रों को लाभान्वित करने के लिए यह निर्णय लिया गया। भविष्य में आवेदकों की संख्या बढ़ने पर सीटें बढ़ाने का प्रावधान भी दिया गया है।

05

साल से ज्यादा समय से छात्रों का टोटा, घटाई गई सीटें

35

कोर्सों में संसाधनों का किया जाएगा बेहतर इस्तेमाल

ये सात कोर्स रह गए खाली

एमए परशियन, एमए मराठी, आचार्य कृष्ण यजुर्वेद, आचार्य सामवेद, आचार्य ऋग्वेद, आचार्य प्राचीन न्याय और आचार्य मीमांसा।

चार में नहीं हुआ बदलाव

आचार्य वेदांत, आचार्य धर्मशास्त्र, आचार्य फलित ज्योतिष, आचार्य शुक्ल यजुर्वेद।

बीएचयू में सात दिनों में उत्तर पुस्तिकाओं का होगा मूल्यांकन, देना होगा 500 रुपये शुल्क

यूजी-पीजी, सर्टिफिकेट और पीएचडी पाठ्यक्रमों में होगी पुनर्मूल्यांकन की अनुमति

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू में अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों को आनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। यदि छात्र अपने मूल्यांकित अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, तो पोर्टल पर अंक प्रदर्शित होने के सात दिनों के भीतर मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं देख सकता है। मूल्यांकन में कमियों को बताते हुए, छात्र को आनलाइन के माध्यम से पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रत्येक पेपर के लिए 500 रुपये शुल्क देना होगा।

साथ ही पुनर्मूल्यांकन पर अंतिम निर्णय दो संकाय सदस्यों के पैनल लेगा। पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया आनलाइन आवेदन प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर पूरी की जाएगी। एक सप्ताह में परीक्षक द्वारा उत्तर पुस्तिकाएं अंकों के विवरण के साथ परिणाम घोषित करने के लिए परीक्षा नियंत्रक को भेजी जाएंगी। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर व वार्षिक सिद्धांत पत्रों के साथ-साथ पूर्णकालिक यूजी, पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और पीएचडी पाठ्यक्रमों में पुनर्मूल्यांकन की अनुमति होगी।

अभ्यर्थी को सेमेस्टर में उनकी उपस्थिति के आधार पर दो श्रेणियों में रखा जाएगा। पहला, जिन्होंने प्रथम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित



अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में छात्रों की तरफ से प्राप्त अंकों को पोर्टल के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा

न्यूनतम उपस्थिति प्रतिशत बिना नहीं मिलेगी पदोन्नति

जो छात्र पहले सेमेस्टर में आवश्यक न्यूनतम उपस्थिति प्रतिशत नहीं दर्ज कराता है, उसे उच्च सेमेस्टर में पदोन्नत नहीं किया जाएगा। हालांकि, ऐसे छात्र यूईटी, पीईटी व सीयूईटी में उपस्थित होने और उनके द्वारा घोषित परिणाम के आधार पर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र होने के बाद कार्यक्रम में नए सिर से प्रवेश ले सकते हैं। उच्च सेमेस्टर यानी दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौवें और 10वें सेमेस्टर के ऐसे सभी छात्र जिन्होंने आवश्यक न्यूनतम प्रतिशत उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है या समय पर परीक्षा फार्म नहीं भरा है, उनके पास अगले वर्ष उपलब्ध संबंधित सेमेस्टर में फिर से प्रवेश देने का विकल्प होगा। कोई भी छात्र जिसे दूसरे या उच्चतर सेमेस्टर में पदोन्नत किया गया है और वह छात्र बना रहता है, उसे कार्यक्रम में नए सिर से प्रवेश लेने के लिए यूईटी, पीईटी व सीयूईटी में फिर से उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विद्यार्थी को प्रवेश से लेकर कार्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर तक निम्नलिखित समय सीमा (दोगुनी अवधि) में पूरा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना होगा।

आंतरिक अंक अपलोड करने का पोर्टल सेमेस्टर परीक्षा की शुरुआत तक बंद रहेगा

आंतरिक अंक अपलोड करने का पोर्टल संबंधित सेमेस्टर परीक्षा की शुरुआत तक बंद रहेगा। हालांकि पोर्टल को अंक अपलोड करने के लिए तभी खोला जा सकता है जब असाधारण परिस्थितियां हों और संबंधित शिक्षक अंक अपलोड नहीं करने के लिए उचित औचित्य के साथ अनुरोध करें, जिसे हेड और डीन द्वारा विधिवत अंग्रेषित किया गया हो। यह केवल संबंधित सेमेस्टर थ्योरी परीक्षा की अंतिम तिथि तक ही अनुमति दी जाएगी। यदि सत्रिय परीक्षा के कोई अंक (टेस्ट के 30 अंक और असाइनमेंट, प्रस्तुति, वाइवा, विवज या किसी अन्य समान परीक्षा के 10 अंक) निर्धारित समय (संबंधित सेमेस्टर सिद्धांत परीक्षा की अंतिम तिथि तक) के भीतर प्राप्त नहीं होते हैं, तो छात्र को शून्य अंक मिलेगा।

होने के लिए आवश्यक न्यूनतम प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई है तथा प्रथम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने के लिए समय पर परीक्षा फार्म भरा है।

दूसरा, जिन्होंने प्रथम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने के लिए

आवश्यक न्यूनतम प्रतिशत उपस्थिति दर्ज नहीं कराई या जिन्होंने प्रथम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने के लिए समय पर परीक्षा फार्म नहीं भरा।

पहले श्रेणी के उम्मीदवार प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में बैठने के लिए

पात्र हैं, जबकि दूसरे श्रेणी वालों को प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी। दूसरे श्रेणी के उम्मीदवारों को नए सिर से प्रवेश लेने के लिए अगले वर्ष के यूईटी, पीईटी व सीयूईटी में फिर से उपस्थित होने की अनुमति है।

‘शिक्षा कैरियर की जगह कैरेक्टर ओरिएंटेड हो’

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। सेवाज्ञ संस्थानम की तरफ से आयोजित महामना महोत्सव में शनिवार को विजेता प्रतिभागियों पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि अयोध्या स्थित सिद्धपीठ हनुमत निवास के आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने छात्रों को आत्मसमीक्षा और निष्ठा का महत्व समझाया। कहा कि शिक्षा को कैरियर ओरिएंटेड नहीं कैरेक्टर ओरिएंटेड होना चाहिए।

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन सभागार में हुए महामना महोत्सव में मालवीय मिशन के राष्ट्रीय महासचिव विजयनाथ मिश्र, उग्र शिक्षा चयन आयोग के सदस्य



बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में छात्रा को पुरस्कृत करते आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण। साथ में डॉ. हरेंद्र राय।

डॉ. हरेंद्र राय और सेवाज्ञ संस्थानम के महानगर प्रमुख शिवम पाण्डेय उपस्थित रहे। डॉ. हरेंद्र राय ने महामना महोत्सव की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बीएचयू में बढ़ेंगे कश्मीर-लद्दाख त्रिपुरा समेत 8 राज्यों के छात्र

52

अभी तक इन 8 राज्यों से करीब 60 अभ्यर्थियों का होता है प्रवेश, एडमिशन कमेटी के चेयरमैन ने एकेडमिक काउंसिल को दिया प्रस्ताव

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में अगले सत्र से जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर समेत कुल आठ राज्यों के छात्रों की तादाद बढ़ाई जाएगी। इसके लिए उन्हें बीएचयू के हॉस्टल आवंटन में उच्च वरीयता दी जाएगी। इनकी घरों की दूरी को देखते हुए प्राथमिकता मिलेगी। साथ ही बीएचयू द्वारा भविष्य में उन राज्यों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप भी शुरू की जा सकती है। अभी तक इन आठ राज्यों से यूजी-पीजी को मिलाकर सिर्फ 60 के आसपास ही छात्र प्रवेश लेते हैं।

शुक्रवार को बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल में रखे गए केंद्रीय प्रवेश समिति के प्रस्तावों पर लंबी चर्चा हुई। इसमें बताया गया कि बीएचयू में देश भर के अभ्यर्थी प्रवेश लेते हैं, लेकिन इनमें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मणिपुर,



कश्मीर-लद्दाख से सिर्फ 15-20 छात्र

असम को छोड़कर सभी आठ राज्यों से यूजी और पीजी को मिलाकर कुल 40 छात्रों का ही प्रवेश हो पाता है। वहीं जम्मू कश्मीर और लद्दाख को मिलाकर 15-20 छात्र ही हर साल एडमिशन लेते हैं। अभी तक इन राज्यों के जो भी छात्र बीएचयू में प्रवेश पाता है और मेरिट कम है तो उसे हॉस्टल में कमरा न मिलने की वजह से बाहर डेलीगेंसी बनकर रहने को मजबूर होता है। ऐसे में कई छात्र बीच में कोर्स छोड़कर अपने राज्य लौट जाते हैं। वहीं हॉस्टलों के आवंटन में वरीयता न मिलने से नए छात्र भी प्रवेश लेने से बचते हैं।

त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय के छात्रों की संख्या काफी कम है। इन राज्यों के छात्र और छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़कर बीएचयू कैपस की क्षेत्रीय विविधता को बेहतर किया जाएगा।

दूर होने के चलते नहीं आते बच्चे: बीएचयू में सेंट्रल एडमिशन कमेटी के चेयरमैन प्रो. भास्कर

भट्टाचार्य ने बताया कि इन इन राज्यों के अभ्यर्थियों को बीएचयू में पढ़ने का बेहतर मौका दिया जाएगा। इन छात्र और छात्राओं के बीएचयू में आने से कैपस की एकेडमिक स्थिति में विविधता बरकरार रहेगी। इन्हें हॉस्टल प्रवेश और वित्तीय मदद कर बीएचयू में दूर-दराज वाले छात्रों को वरीयता दी जा सकती है।

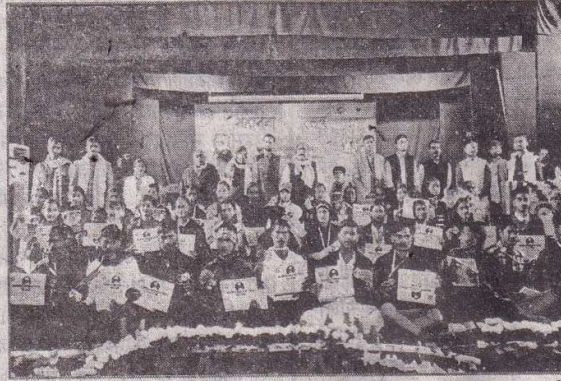
चरित्र निर्माण की नर्सरी के रूप में कार्य कर रहा है सेवाज्ञ संस्थान

महामना महोत्सव के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता प्रतिभागी हुए सम्मानित

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में सेवाज्ञ संस्थान के तत्वावधान में आयोजित महामना महोत्सव २०२४ समापन समारोह में शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विजेता छात्रों को प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न, और छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। मालवीय जी की १६३वीं जयंती के उपलक्ष्य में २५ दिसंबर से एक जनवरी के मध्य वाराणसी के ५० से अधिक विद्यालयों के साढ़े तीन हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस महोत्सव में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, और साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथिय सिद्धपीठ हनुमत निवास अयोध्या के आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण जी महाराज ने छात्रों को प्रेरित करते हुए

कहा कि सेवाज्ञ संस्थान चरित्र निर्माण की नर्सरी के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने जीवन में

बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने महाभारत के श्लोक न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नापुनर्भवम्



आत्मसमीक्षा और निष्ठा के महत्व को रेखांकित किया। आचार्य जी ने युवाओं को शिक्षा को कैरियर-ओरिएंटेड से कैरेक्टर-ओरिएंटेड

के माध्यम से जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। मालवीय मिशन के राष्ट्रीय महासचिव विजय नाथ मिश्र, उत्तर

प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के सदस्य डॉक्टर हरेंद्र राय, एवं महानगर प्रमुख शिवम पाण्डेय उपस्थित रहे। डॉक्टर हरेंद्र राय ने बताया कि यह महोत्सव केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास एवं उनके भीतर रचनात्मकता को प्रेरित करने का माध्यम भी है। मालवीय मिशन के राष्ट्रीय महासचिव विजय नाथ मिश्र ने कहा कि महामना के आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करते हैं। मिशन के उद्देश्यों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सेवाज्ञ संस्थान का यह प्रयास नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मूल्यों और शिक्षा के आदर्शों से जोड़ने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने शिक्षार्थियों को बताया कि महामना के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के उत्थान में योगदान देना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

रोक के बाद भी महामना दिन भर सुनते थे फरियाद : मिथिलेश



महामना महोत्सव में फोटो प्रदर्शनी देखते आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण। संवाद

माई सिटी रिपोर्ट

वाराणसी। बीएचयू में आठ दिवसीय महामना महोत्सव का समापन हो गया। अयोध्या के आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण जी महाराज ने कहा कि सुरक्षाधिकारियों की रोकटोक के बावजूद महामना मालवीय पूरे दिन लोगों की फरियाद सुनते थे।

प्रार्थना और शिकायत लेकर आए लोगों से मिलते थे। उनके सुरक्षाधिकारियों ने उनके स्वास्थ्य को देखते हुए मालवीय भवन के मेन गेट पर ताला लगवा दिया। लेकिन महामना पीछे का वैकल्पिक रास्ता खोलकर लोगों से मिलने लगे। वो भी रास्ता बंद कर दिया गया।

महामना भवन परिसर से बाहर एक चबूतरे पर बैठकर लोगों से मिलते और सुनते। ये बातें जीडी बिड़ला के अनुरोध पर रामनरेश त्रिपाठी ने किताब में लिखी

कॅरिअर ओरिएंटेड बनें युवा

आचार्य ने कार्यक्रम में कहा कि सेवाज्ञ संस्थान चरित्र निर्माण की नर्सरी है। युवाओं से कॅरियर ओरिएंटेड बनने की बात कहते हैं। कहा कि अपनी ही उपलब्धियों पर खुशी मिले ये बात अच्छी नहीं। हर एक के मंगल पर हमें खुश होना चाहिए। उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के सदस्य डॉ. हरेंद्र राय ने महामना महोत्सव की संपूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान मालवीय मिशन के राष्ट्रीय महासचिव विजय नाथ मिश्र और महानगर प्रमुख शिवम पांडेय मौजूद रहे।

थी। महामना महोत्सव में 50 से ज्यादा स्कूलों के 3500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

स्वतंत्रता भवन सभागार में कई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विजेता छात्रों को प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न, और छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं।

पुरस्कार वितरण संग महामना महोत्सव संपन्न

वाराणसी। सेवाज्ञ संस्थानम् के तत्वावधान में आयोजित 'महामना महोत्सव 2024' का समापन एवं पुरस्कार वितरण शनिवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में संपन्न हुआ। यह महोत्सव महामना मदन मोहन मालवीय जी की 163वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें 25 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी के मध्य वाराणसी के 50 से अधिक विद्यालयों के 3500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस महोत्सव में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, और साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन सत्र की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण से हुई। मुख्य अतिथियों के रूप में सिद्धपीठ हनुमत निवास अयोध्या जी के आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण जी महाराज, मालवीय मिशन के राष्ट्रीय महासचिव विजय नाथ मिश्र, उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के सदस्य डॉ. हरेंद्र राय एवं



महानगर प्रमुख शिवम पाण्डेय उपस्थित रहे। डॉ. हरेंद्र राय ने महामना महोत्सव की संपूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान मालवीय मिशन के राष्ट्रीय महासचिव विजय नाथ मिश्र ने कहा कि महामना के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के उत्थान में योगदान देना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विजेता छात्रों को प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न, और छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं।

दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवन बदलने की प्रेरणा देते हैं लुई ब्रेल

३५

जागरण संवाददाता, वाराणसी : विश्व ब्रेल दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को बीएचयू के कला संकाय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें दृष्टिबाधित दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने कहा कि लुई ब्रेल ने ब्रेल लिपि का आविष्कार कर दृष्टिबाधितों का जीवन बदल दिया। लुई ब्रेल का जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति से अवसर को बदल देने की प्रेरणा देता है।

हिंदी विभाग के शोध छात्र राहुल कुमार के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि चीफ प्राक्टर डा. संजय कुमार ने महामना और लुई ब्रेल के चित्रों पर माल्यार्पण किया। स्वागत गीत नीलू और उनकी टीम ने किया। तृप्ति और उनकी टीम ने ब्रेल गीत, रामआशीष विश्वकर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर वक्तव्य, संस्कृत एवं हिंदी में



बीएचयू के कला संकाय में पुरस्कार ग्रहण करते दिव्यांग छात्र-छात्राएं • जागरण

अमर ब्रेल कविता प्रस्तुत किया। उनके द्वारा लिखित, निर्देशित नाटक मेरा अधिकार का मंचन किया गया। अनिल साहनी, इंद्रजीत साकेत आदि ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

निधि व उनकी टीम ने नृत्य, अंजू व टीम ने गजल, नीलू व टीम ने कव्वाली प्रस्तुत की। कला संकाय प्रमुख प्रो. माया शंकर पांडेय, हिंदी

विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप, कला संकाय के छात्र सलाहकार डा. विनायक दुबे व विभाग के प्राचार्य प्रो. कृष्ण मोहन सिंह ने अपने संबोधन में दृष्टिबाधित छात्रों को उनकी क्षमता का बोध कराते हुए प्रोत्साहित किया।

अंत में प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया। धन्यवाद ज्ञापन साधना गौतम ने किया।



लुई ब्रेल की जयंती के मौके पर छात्रों को सम्मानित करते अतिथि • जागरण

ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की मनाई जयंती

जासं, वाराणसी : हनुमान प्रसाद पौद्धार अंध विद्यालय दुर्गाकुंड में शनिवार को ब्रेल लिपि के महान आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अहमदाबाद से पधारी किनरी देसाई ने बच्चों को लुई ब्रेल के बारे में बताया। इस मौके पर दृष्टि दिव्यांग छात्रों ने सरस्वती वंदना संस्कृतिक कार्यक्रम

प्रस्तुत किया। इस मौके पर सरोजनी महापात्रा, महानगर उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा, महामंत्री अशोक जायसवाल एवं अंध विद्यालय कमेटी के अनुज डीडवानिया, सत्य प्रकाश मालवीय, रवि कुमार आदि मौजूद थे। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य विजय कुमार मिश्रा ने किया।

आनंद क्रिकेट क्लब 8 विकेट से विजयी

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान में खेली जा रही पं. अनिरुद्ध मिश्र क्रिकेट प्रतियोगिता में आनंद क्रिकेट क्लब ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के शिवांश और अरशद संयुक्त रूप से मैन आफ द मैच बने।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी सुभाषचंद्र स्पोर्ट्स क्लब ने 35 ओवर में 156 रन बनाये। मनीष कुमार ने 44 रन बनाये। आनंद क्रिकेट क्लब के अनिकेत सेठ ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि आनंद क्रिकेट क्लब की टीम ने 19.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य पालिया। टीम के शिवांश मिश्रा ने 59 गेंद पर 79 रन बनाये। अरशद अहमद ने 42 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाये।

खेल प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी पुरस्कृत



चिरईगांव। नरारणपुर स्थित राजनन्दन साहू इंटर कालेज में आयोजित दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम शनिवार शाम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल और स्मृति चिह्न भेंट कर

सम्मानित किया। कहा कि खेल कूद प्रतियोगिता के क्षेत्र में इस समय स्वर्णयुग चल रहा है। कहा कि पहले ग्रामीण अंचलों के खेल-कूद में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की प्रगति का रास्ता रुक गया था लेकिन आज उन्हें मंच मिला है। इस दौरान अम्बरीष सिंह, संजय सिंह, अजय पांडेय रहे।

शीतकालीन अवकाश पर गए आइएमएस के 28 सीनियर कंसल्टेंट

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के 28 सीनियर कंसल्टेंट डाक्टर शीतकालीन अवकाश पर गए हैं। उनकी ओपीडी और दूसरी चिकित्सकीय व्यवस्था दूसरे



कंसल्टेंट को सौंप दी गई है। विवि प्रशासन की तरफ से छह विभागों का रोस्टर जारी किया गया है। जनरल मेडिसिन विभाग में आठ डाक्टर, कार्डियोलॉजी में छह, न्यूरो सर्जरी में चार, स्वास्थ्यवृत्त एवं योग में तीन, अगद तंत्र व संज्ञाहरण विभाग में दो-दो डाक्टर अवकाश पर रहेंगे। सबके अवकाश नौ जनवरी तक अलग-अलग दिनों में निर्धारित किए गए हैं।

केवी बीएचयू में कुश्ती संघ अध्यक्ष का स्वागत



संजय सिंह का स्वागत करते लोग। स्वयं

वाराणसी। बीएचयू परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय में शनिवार को भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य ने किया। कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में 1978 से 1990 तक कक्षा एक से 12वीं तक की पढ़ाई की है। उनके विद्यालय आगमन पर प्राचार्य अशोक कुमार सिंह और उपप्राचार्य शैलेंद्र कुमार ने स्वागत किया। संजय सिंह ने केंद्रीय विद्यालय की खेलकूद की गतिविधियों को मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेल को कैरिअर के रूप में अपनाने की अपील की। संवाद

बीएचयू लाइब्रेरी में पूर्व पीएम की किताबें मिलें

वाराणसी। बीएचयू की सेंट्रल लाइब्रेरी में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की लिखी हुई किताबों को शामिल करने की मांग की गई है। छात्रों ने कहा कि 12 से ज्यादा किताबें उन्होंने लिखी हैं। इसे सयाजी गायकवाड़ सेंट्रल लाइब्रेरी में रखवाने के लिए कहा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक, प्रियदर्शन मीणा, मुरारी यादव, विपिन आनंद, अंकित मौजूद रहे। संवाद

‘टेक्नेक्स’ की थीम लॉन्च की गई

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के तकनीकी उत्सव ‘टेक्नेक्स’ का आयोजन ‘वर्ल्ड ऑफ पिक्सेल्स’ थीम पर होगा। शनिवार को राजपुताना मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बीच थीम लॉन्च हुई।

आईआईटी बीएचयू में तीन दिवसीय ‘टेक्नेक्स’ का आयोजन 28 फरवरी से 2 मार्च होगा। इसमें देश के आईआईटी सहित 500 तकनीकी कॉलेजों से 20-25 हजार प्रतिभागी शामिल भाग लेंगे। 50 से ज्यादा इवेंट होंगे। विजेताओं को 25 लाख का इनाम दिया जाएगा। पिछले साल विजेता टीम को 20 लाख का पुरस्कार दिया गया था।

आकाशवाणी की टीम मैत्री मैच जीती

वाराणसी। आकाशवाणी और दूरदर्शन के तकनीकी और कार्यक्रम विभाग के कर्मचारियों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच शनिवार को खेला गया। बीएचयू के बीड़ला मैदान पर खेले गए मैच में आकाशवाणी की टीम ने जीत दर्ज की। बीएचयू के प्रो. बाला लखेंद्र एवं आकाशवाणी-दूरदर्शन के निदेशक राजेश कुमार गौतम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके मैच की शुरुआत की। विजेता टीम की ओर से डा. अशोक पांडेय, चंदन सिंह, आशुतोष, प्रफुल्ल सिन्हा, दिनेश सिंह, अजू तिवारी ने बेहतर खेल दिखाया।

बीएचयू के कुलपति, रेक्टर व रजिस्ट्रार के खिलाफ अदालत में अर्जी

जासं, वाराणसी : आजमगढ़ के मेहनाजपुर निवासी हरिकेश बहादुर सिंह ने बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन के अलावा रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार सिंह, पूर्व वित्त अधिकारी अभय ठाकुर, वर्तमान वित्त अधिकारी मनोज कुमार पांडेय और रेक्टर प्रो. संजय कुमार के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है।

हरिकेश ने अपने प्रार्थना पत्र में उपरोक्त लोगों द्वारा अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर विगत कुछ वर्षों से विधि विरुद्ध कृत्य करने का आरोप लगाया है। हरिकेश ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का अदालत से अपील की। अदालत ने इस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए लंका थाना से 13 जनवरी को आख्या तलब की है।

बीएचयू के 6 उच्चाधिकारियों पर केस के लिए प्रार्थना पत्र

वाराणसी। बीएचयू में छह शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया गया है। हरिकेश बहादुर सिंह के प्रार्थना पत्र पर अधिवक्ता ने इस मामले में शनिवार को बहस की। इसके बाद न्यायालय द्वारा बीएचयू के शीर्ष अधिकारियों को नोटिस जारी कर लंका थाने से रिपोर्ट मांगी गई है। इन उच्च अधिकारियों से भी कहा गया है कि आरोप के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इस मामले में अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी। हरिकेश बहादुर सिंह ने बताया कि बीएचयू में तीन साल से इसी के गठन होने, विशेषाधिकार 7 सी (5) का दुरुपयोग और आईओई फंड को लेकर ये आरोप लगाया गया है। ब्यूरो

बीएचयू वीसी समेत चार के खिलाफ कोर्ट में अर्जी

वाराणसी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनोष कुमार की कोर्ट में शनिवार को पद का दुरुपयोग करने के मामले में बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन, रजिस्ट्रार अरुण सिंह, पूर्व फाइनेंस अफसर अभय ठाकुर, वर्तमान फाइनेंस अफसर मनोज पांडेय तथा रेक्टर और कोऑर्डिनेटर संजय कुमार के खिलाफ अर्जी दाखिल की गई। कोर्ट ने इस प्रकरण में थाने से आख्या तलब की है। इस मामले में अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी। हरिकेश बहादुर सिंह ने अपने अधिवक्ता-संतोष मोर्य के माध्यम से अर्जी दी है।

छात्रों की गिरफ्तारी के विरोध में मार्च ५

वाराणसी। बीएचयू के विद्यार्थियों की गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को कम्युनिस्ट फ्रंट और बनारस नागरिक समाज ने शास्त्री घाट से जिलाधिकारी कार्यालय तक आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान डीएम के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपकर विद्यार्थियों की रिहाई की मांग उठाई गई।

पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं पर दर्ज एफआईआर को रद्द करने, इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने, सभी साथियों को बिना शर्त तत्काल रिहा करने की पुरजोर मांग की। मार्च में एसपी राय, मन्नीष शर्मा, छेदीलाल निराला, राम जन्म चौधरी, राजेंद्र, प्रवाल कुमार सिंह, राजेश कुमार रहे।

बीएचयू में छात्रों की गिरफ्तारी के विरोध में निकाला मार्च ७

वाराणसी। बीएचयू परिसर में 25 दिसंबर को मनुस्मृति पर चर्चा करने के दौरान छात्रों की गिरफ्तारी को लेकर सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं ने शास्त्रीघाट से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर मुकदमे को रद्द करवाने और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्र मनुस्मृति पर चर्चा कर रहे थे। ऐसे में गिरफ्तारी की गई, जिसमें पुलिस की भूमिका संदेहास्पद है। मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। ब्यूरो